Total Pages : 4 Roll. No. : .....

**Examination Session June-2022**

**(Fourth Semester)**

# MASL-607

## एम.ए. संस्कृत (MASL)

**[ गद्य एवं पद्य काव्य भाग - 02 ]**

**Time : 2 Hours ]** **[ Max. Marks : 80**

**नोट :** यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

**खण्ड–क**

**(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)**

**नोट :** खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। 2×20=40



6. राजा नल एवं हंस के संवाद का वर्णन कीजिए।

7. किन्हीं दो सूक्तियों की व्याख्या कीजिए :

(क) मितञ्च सारञ्च वचो हि वाग्मिता।

(ख) अदृष्टमप्यर्थमदृष्टवैभावात्

करोति सुप्तिर्जनदर्शनातिथिम्।।

(ग) साधने हि नियमोऽन्यस जनानां, योगिनां तु तपसाऽखिल सिद्धिः।

(घ) ब्रुवते हि फलेन साधवो न तु कण्ठेन निजोपयोगिताम्।।

8. किन्हीं दो संवादों का वर्णन कीजिए :

(क) ब्राह्मणों एवं राजा का सवांद

(ख) महर्षि एवं राजा का संवाद

(ग) राजा नल के घोड़े का वर्णन

(घ) चौदह विद्याओं का वर्णन

**********

1. महाकवि अश्वघोष के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय दीजिए।

2. महाकवि श्रीहर्ष का ऐतिहासिक परिचय दीजिए।

3. व्याख्या कीजिए :

'नैषधं विद्वदौषधम्' अथवा विद्यामिव विनीताय न विषेदुः प्रदायते।

4. महाकवि अश्वघोष की रचनाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

अथवा

निम्नोक्त किन्हीं दो श्लोकों की विस्तृत व्याख्या कीजिए :

(क) ततः प्रसन्नश्च बभूव पुष्यस्तस्याश्च देवया व्रतसंस्कृतायाः।
पश्वात्सुतो लोकहिताय जज्ञे निर्वेदनं चैव निरामयं च।।

(ख) धर्मार्थिभिर्भूतगणैश्च दिव्यैस्तद्दर्शनार्थं वनमापुपूरे।
कौतूहलेनैव च पादपेभ्यः पुष्पाण्यकालेऽप्यवपातयभ्दिः।।

(ग) निपीय यस्य क्षितिरक्षिणः कथां
तथाऽऽद्रियन्ते न बुधाः सुधामपि।
नलः सिच्छत्रि तकीर्तिमण्डलः
स राशिरासीन्महसां महोज्ज्वलः।।



(घ) पदैश्चतुर्भिः सुकृते स्थिरीकृते
कृतेऽमुना के न तपः प्रपेदिरे।
भुवं यदेकाङ्घ्रिकनिष्ठया स्पृश–
न्दधावधर्मोऽपि कृशस्तपस्विताम्।।

5. महाकवि श्रीहर्ष की काव्यगत विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

## खण्ड–ख

## (लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

**नोट** : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। 4×10=40

1. महाकवि श्रीहर्ष की भाषा शैली का वर्णन कीजिए।

2. बुद्धचरितम् महाकाव्य का वैशिष्ट्य बतलाए।

3. नल के सौन्दर्य का वर्णन कीजिए।

4. बुद्धचरितम् महाकाव्य के प्रथम सर्ग का कथासार लिखिए।

5. 'उदिते तु नैषधे काव्ये क्व माघः क्व च भारवीः' की व्याख्या कीजिए।